संपादकीय

शास्त्री-कोहली युग

ऐसे वक्त में जब रवि शास्त्री भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद और विराट कोहली टी-20 प्रारूप के कप्तान पद से विदाई ले रहे हैं, टी-20 विश्वकप की नाकामी उन्हें जरूर खलेगी। हां, शास्त्री को इस बात का मलाल जरूर रहेगा कि उनके कोच के रूप में भारत को आईसीसी का कोई खिताब हासिल नहीं हुआ। भारत ने आखिरी बार वर्ष 2013 में आईसीसी खिताब जीता था। इंग्लैंड में जब भारत ने चैंपियंस ट्राफी जीती थी, तब महेंद्र सिंह धोनी कप्तान थे। कोहली ने तीन प्रारूपों में चार आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत का नेतृत्व किया, टीम को दो फाइनलों में पहुंचाया। यह विडंबना ही है कि मौजूदा टी-20 विश्वकप में भारत की विफलता ने लगातार छह बार आईसीसी टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल तक पहुंचने की शृंखला को तोड़ दिया। इसके बावजूद टी-20 विश्वकप में भारत की विफलता के चलते शास्त्री-कोहली युग की उपलब्धियों को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भले ही टी-20 क्रिकेट दर्शकों को रोमांच देता हो, लेकिन प्रतिष्ठा के रूप में टेस्ट प्रारूप शिखर पर ही रहा है और शास्त्री के कोच के रूप में दायित्व संभालने के बाद विरोट कोहली के नेतृत्व में भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया है। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय टेस्ट क्रिकेट में नंबर दो पर है और आस्ट्रेलिया में पिछली दो टेस्ट सीरीज जीती हैं। निस्संदेह, तेज पिचों के चुनौतीपूर्ण माहौल में यह उपलब्धि किसी दूसरी एशियाई टीम ने हासिल नहीं की है। कोई भी एशियाई देश सीरीज नहीं जीत पाया। गत सितंबर में जब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट शृंखला कोरोना संकट के कारण बाधित हुई तो भारत शास्त्री-कोहली के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन करके 2-1 से आगे चल रहा था। इसी तरह इस साल टेस्ट क्रिकेट चैंपियनशिप के फाइनल में और वर्ष 2019 में पचास ओवर के विश्वकप फाइनल में भारत को सेमीफाइनल में ले जाने का श्रेय भी इस टीम को दिया जाना चाहिए।

निस्संदेह, शास्त्री व कोहली की जोड़ी की इन तमाम उपलब्धियों को मौजूदा टी-20 विश्वकप में पाक व न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के चलते नहीं नकारा जा सकता। वैसे भी इस विश्वकप में बड़े उलटफेर के कयास लगाये जा रहे हैं। निस्संदेह, टी-20 एक रोचक प्रारूप है, जो इसके अन्य दोनों प्रारूपों के मुकाबले तमाम तरह की अनिश्चितताओं से भरा हुआ होता है। इस प्रारूप की अनिश्चितताओं का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अब से पहले हुए छह टी-20 विश्वकप में पांच अलग-अलग टीमों ने जीत हासिल की है। वैसे भी टेस्ट व एक दिवसीय प्रारूप में कोहली की आतिशी बल्लेबाजी ने टीम को खासी प्रतिष्ठा दिलायी है। अतः एक विफलता से उनकी सफलताओं को नहीं नकारा जा सकता। वैसे भारतीय टीम के कोच रवि शास्त्री की इस बात में भी दम है कि भारतीय खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं और उन्हें आराम की जरूरत है। दरअसल, आईपीएल और टी-20 विश्वकप के बीच पर्याप्त समय न मिलने तथा लंबे समय तक बायो बबल में रहने से खिलाड़ी मानसिक रूप से प्रभावित हुए हैं। तभी अफगानिस्तान, स्काटलैंड व नामीबिया के खिलाफ शानदार जीत भी पिछली दो हारों का दाग नहीं धो पायी। दरअसल, पिछले ग्यारह महीनों में भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका के साथ कई टूर्नामेंट खेले। वहीं कोरोना संक्रमण को देखते हुए टीम के खिलाड़ियों को बायो बबल में रखा जाता है ताकि वे सुरक्षित रह सकें। इसमें लोगों से मिलने-जुलने तथा यात्रा संबंधित कई तरह की बंदिशें होती हैं। करीब छह माह तक टीम बायो बबल में रही। ऐसे में पंद्रह अक्तूबर को खत्म हुए आईपीएल के ठीक बाद टी-20 विश्वकप में खेलना थकाने वाला ही कहा जायेगा। उस पर पहला मैच पाकिस्तान से हुआ। जाहिरा तौर पर बड़े मैचों के साथ दबाव भी बढ़ जाता है और खिलाड़ी स्वाभाविक प्रदर्शन नहीं कर पाते। अब देखना होगा कि नये मुख्य कोच के रूप में भारतीय क्रिकेट में भरोसे की दीवार कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ और टी-ट्वेंटी के नये कप्तान रोहित शर्मा टीम को किस ऊंचाई तक ले जाते हैं।

ग्रामीण भारत में इस्पात की खपत में वृद्धि एक अच्छा संकेत : कुलस्ते

नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा है कि ग्रामीण भारत में इस्पात की खपत में वृद्धि एक अच्छा संकेत है जो वित्त वर्ष 2019-20 में प्रति व्यक्ति 19 किलोग्राम के मुकाबले बढ़कर वर्ष 2020-21 में 21.5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति हो गई लेकिन यह राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे है। श्री कुलस्ते ने इस्पात मंत्रालय के साथ मिलकर सीआईआई द्वारा आयोजित ग्लोबल स्टील समिट 2021 के उद्घाटन सत्र में कहा कि समाज के ग्रामीण क्षेत्र में इस्पात मात्रा को बढ़ाने और ग्रीन स्टील अथवा लो कार्बन स्टील के विनिर्माण पर जोर दिए जाने से एक विनिर्माण केंद्र बन जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की खपत को बढ़ाने के लिए ग्रामीण लोगों को इस्पात के उपयोग, उसके जीवन चक्र की लागत आदि से भलीभांति अवगत कराया जाना चाहिए ताकि वे इस्पात का उपयोग करने के लिए आकर्षित हो सकें।

उन्होंने कहा कि सरकार एक दीर्घकालीन कार्ययोजना पर काम कर रही है और उसी के अनुरूप नीतियां तैयार की जा रही हैं। राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 के दृष्टिकोण के अनुसार 2030-31 तक भारत में इस्पात उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 30 करोड़ टन करने, प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत को बढ़ाकर 160 किलोग्राम करने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने सहित कई लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए पिछले दो वर्षों के दौरान इस्पात मंत्रालय ने रेल मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय जैसे तमाम हितधारकों के साथ कई सेमिनार, सम्मेलन, वेबिनार आदि आयोजित किए हैं ताकि मांग की निरंतरता बरकरार रखते हुए उसे बढ़ाया जा सके। इस्पात के उत्पादन बढ़ोतरी और क्षमता विस्तार तभी होगा जब मांग बढ़ेगी। पर 25,000 करोड़ से अधिक का परिव्यय होगा।

उन्होने कहा कि लौह एवं इस्पात क्षेत्र भारत के औद्योगिक क्षेत्र में एकमात्र सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता एवं कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जक है। इसलिए जलवायु परिवर्तन की समस्या पर ध्यान देने के लिए इस्पात उद्योग को ग्रीन स्टील अथवा लो कार्बन स्टील के विनिर्माण की ओर बढ़ना समय की मांग है। सरकार कोयले पर इस्पात उद्योग की निर्भरता कम को करने के लिए कोल गैसीफिकेशन, नेशनल हाइड्रोजन मिशन जैसी योजनाओं पर काम कर रही है। इससे न केवल कोयले पर इस्पात उद्योग की निर्भरता कम होगी बल्कि ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन कम करने में भी मदद मिलेगी।

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के महानिदेशक डॉ. एडविन बेसन ने उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में कहा कि 2015 में पेरिस में निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को हासिल करना और उसे पूरा करना इस्पात उद्योग के लिए संभव है। यह तीन चरणों में होगा। पहले चरण में शुरुआती तौर पर इस्पात को बनाने और उसका उपयोग करने में बेहतर दक्षता पर भरोसा करने की आवश्यकता होगी। दूसरा चरण इस दशक के अंत तक रफ्तार पकड़ेगा और उसे चीन एवं अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में स्क्रैप की बढ़ती उपलब्धता से लाभ होगा।

औद्योगिक वृद्धि सितंबर में 3.1 प्रतिशत

नई दिल्ली । देश में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार पर औद्योगिक वृद्धि दर सितंबर में 3.1 प्रतिशत रही। जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2021 में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सुधर कर 2.7 प्रतिशत पर पहुंच गयी। सितंबर में खनिज क्षेत्र की वृद्धि 8.6 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

पिछले वर्ष सितंबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि एक प्रतिशत रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर छह महीनों में औद्योगिक उत्पादन पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 23.5 प्रतिशत ऊंचा रहा। पिछले साल इसी दौरान कोविड19 की पाबंदियों के बीच औद्योगिक उत्पादन में 20.8 प्रतिशत संकुचन हुआ था। पिछले वर्ष मार्च में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप बढ़ने के बाद औद्योगिक गतिविधियों में भारी गिरावट आयी थी।

सबसे तीव्र आर्थिक वृद्धि दर्ज कर सकता है भारत : गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेज गति से वद्धि कर रही अर्थव्यवस्थाओं में होगा।

उन्होंने कहा कि देश विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षक स्थान के रूप में उभरा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। श्री गोयल के पास वस्त्र और खाद्य मंत्रालय का भी भार है। वह भारतीय उद्योग परिसंघ और दक्षिण कोरिया के उद्योग मंडल केआईटीए द्वारा आयोजित भारत-कोरिया व्यावसायिक भागीदारी मंच की चौथी बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भारत की विनिर्माण क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में अगले वर्ष पांच अरब खुराक कोविड वैक्सीन का विनिर्माण किया जाएगा।

श्री गोयल ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) तेजी से बढ़ रहा है। आज हम निवेशकों के लिए दुनिया की सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं।'

श्री गोयल ने दक्षिण कोरिया की कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि वहां की कंपनियां कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण , चर्म उत्पाद, धातु उद्योग , रसायन और इस्पात जैसे हमारे कुछ परंपरागत क्षेत्रों में भारत की क्षमता बढ़ाने में पूरक की भूमिका निभा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत का खुदरा क्षेत्र और ई-वाणिज्य क्षेत्र भी विदेशी निवेशकों को अवसर प्रदान कर रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया पहल और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून की दक्षिणी क्षेत्र ओर पहले का उल्लेख करते हुए कहा कि कोरिया की कंपनियों के लिए भारत में कुशल और कम लागत वाली मानव शक्ति का लाभ उठाने का अच्छा अवसर है।

श्री गोयल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यस्था कोविड 19 के झटके से उबर कर फिर आगे बढ़ने लगी है। हम संभवत- सबसे तीव्र वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था होगी। उन्होंने कहा 'इस समय हमारा निर्यात अब तक की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है, हमारा पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर) सूचकांक सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों के लिए सर्वोच्च स्तर पर है।'

ड्रूम टेक्नोलॉजी लाएगी आईपीओ, सेबी को दिया आवेदन

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल ई-कॉमर्स कंपनी ड्रूम टेक्नोलॉजी लिमिटेड पूंजी जुटाने के लिए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है और इसके उसने पूंजी बाजार नियामक सेबी को आवेदन दिया है। कंपनी ने सेबी को दिये आवेदन में बताया है कि प्रत्येक शेयर एक रुपये अंकित मूल्य का होगा और बिक्री के लिए 1000 करोड़ रुपये के शेयर की पेशकश की जाएगी। यदि निवेशकों से

बेहतर प्रतिसाद मिला तो इसे बढ़ाकर 2000 करोड़ रुपये कर दिया जाएगा। इक्विटी शेयर को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध किया जाएगा। उसने बताया कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) लिमिटेड और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के प्रबंधक होंगे। आईपीओ जारी करने के साथ कारों के कारोबार के बाद यह सार्वजनिक होने वाली दूसरी भारतीय ऑटोमोबाइल ऑनलाइन कंपनी बन जाएगी।

इंदिरा मैराथन में धावक दौडेंगे इलेक्ट्रानिक चिप के साथ

प्रयागराज। अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन में भाग लेने वाले धावक इस साल अपने पैर में इलेक्ट्रानिक चिप लगाकर दौड़ेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती 19 नवंबर को इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इंदिरा मैराथन का यह 36वां संस्करण होगा।

उन्होने बताया कि इलेक्ट्रानिक चिप से धावकों के समय और दूरी का पता चल जाएगा। दौड़ शुरू होने से पहले सभी धावक चिप को पैर में पहनेंगे। मैराथन के प्रारंभिक स्थल पर एक विशेष प्रकार की मैट बिछाई जाएगी, जिसे पार करते ही चिप में समय और दूरी की गणना (काउंट डाउन) शुरू हो जायेगी। तिवारी ने बताया कि इंदिरा मैराथन रूट पर विभिन्न स्थानों पर बने टर्निंग प्वाइंट एवं समाप्ति रेखा पर भी मैट बिछी रहेगी, जिसे पार करते ही आंकड़े दर्ज होते रहेंगे। मैराथन दौड़ पूरी करने के बाद धावकों को चिप वापस करनी होगी। जिसे बाद में कंप्यूटर से भी जोड़ कर धावक की दौड़ का पूरा लेखा जोखा उपलब्ध हो सकेगा। चिप की मदद से किसी भी धावक के आधे रास्ते में दौड़ छोड़ने या बीच से दौड़ में शामिल होने जैसे प्रयासों को नाकाम बनाया जा सकेगा। उन्होने बताया कि खेल विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित होने वाले इंदिरा मैराथन में अभी तक 35 धावकों ने अपना पंजीकरण कराया है। कोरोना के कारण वर्ष 2020 में इंदिरा मैराथन का आयोजन नहीं किया गया था। उन्होने बताया कि 17 और 18 नवंबर को धावकों को चेस्ट नंबर के साथ ही चिप भी दी जाएगी।

आज का राशिफल

मेष : आज के दिन आप सामाजिक कार्यों और मित्रों के साथ व्यतीत करेंगे। आपके मित्रों की मंडली में नए मित्र जुड़ेंगे। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा।

वृषभः नौकरी में पदोन्नति के समाचार मिलेंगे। उच्च पदाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। सरकारी निर्णय आपके पक्ष में आने से लाभ मिलेंगे।

मिथुनः आज आपको थोड़ी प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। जिसके कारण कोई भी कार्य करने का उत्साह मंद रहेगा।

कर्कः आज के दिन आप पर नकारात्मक व्यवहार हावी रहेंगे। क्रोध अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के सम्बंध में शिकायत रहेगी।

सिंहः आज के दिन आप मनोरंजन तथा घूमने. फिरने में समय व्यतीत करेंगे। फिर भी सांसारिक मामलों के विषय में आपका व्यवहार उदासीन रहेगा।

कन्या : परिवार में आनंद एवं उत्साह का वातावरण रहने से आपका मन भी प्रसन्न रहेगा स्वास्थ्य बना रहेगा। बिमार व्यक्ति की तबीयत में सुधार होने से राहत का अनुभव होगा।

तुलाः आज आप अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनशक्ति को अच्छी तरह काम में लगा सकेंगे। बौद्धिक प्रवृत्तियां या चर्चा में भाग लेना आपको पसंद आएगा।

वृश्चिक : आज का दिन शांति से व्यतीत करने की सलाह देते हैं। माता के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ अनबन होने से मन दुःखी होगा।

धनुः आज आप पर गूढ़ रहस्यवाद और आध्यात्मिकता का रंग चढ़ेगा। इसलिए इस विषय में गहरे उतरने का प्रयास करेंगे।

मकरः न बोलने में नौ गुण, इस कहावत की यथार्थता को समझकर आप यदि वाणी पर संयम रखेंगे, तो बहुत से अनर्थ होने से रुक जाएंगे।

कुंभः आज का दिन आपके लिए अच्छा साबित होगा। परिवारजनों के साथ सुरुचिपूर्ण भोजन का आनंद उठाएंगें। मित्रों के साथ बाहर घूमने जाने का आयोजन होगा।

मीन : थोड़े समय में लाभ लेने की लालच छोडने और पूंजी निवेश में ध्यान रखने की सलाह है। आज आपके मन की एकाग्रता कम रहेगी।

सुष्मिता सेन की 'आर्या 2' का टीजर हुआ रिलीज

आखिरकार इंतजार खत्म हुआ, आर्या के रोमांचक पहले सीजन के बाद राम माधवानी और सुष्मिता सेन ने इस वेबसीरीज के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है. 'आर्या' का पहला सीजन हिट होने के बाद से लोग इसके दूसरे सीजन का इंतजार बेसब्री से कर रहे थे. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर 'आर्या 2' से अपना पहला लुक शेयर किया है.

फैंस इस टीजर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. टीजर में एक्ट्रेस बहुत इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं. उनका चेहरा लाल रंग के गुलाल में सना हुआ दिखाई दे रहा

हैं, साथ ही चेहरे पर गुस्सा और तीखे तेवर साफ दिख रहे हैं. एक्ट्रेस का इंटेंस लुक उनके फैंस को बहुत पसंद आया है. इस सीरीज में सुष्मिता अपने दुशमनों से बदला लेती दिखेंगी.

सुष्मिता ने फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, शेरनी वापस आ गई है. इस बार पहले से ज्यादा खतरनाक, आर्या पूरी तरह से तैयार है. इस सीजन में सुष्मिता सेन आर्या सरीन की भूमिका दोबारा निभाती नजर आएंगी जो खतरनाक तरीके से अपने दुश्मनों से लड़ती नजर आएंगी. सीरीज में सुष्मिता सेन के पति का किरदार चंद्रचूड़ सिंह ने निभाया था. राम माधवानी ने कहा, पहले सीजन में हमें जो प्यार और स्नेह मिला उस की वजह से हमने दूसरा सीजन बनाया है. इस वेब सीरीज को इंटरनेशनल एमी अवार्डस में बेस्ट ड्रामा सीरीज के नॉमिनेशन ने हमारे विश्वास को और बढ़ा दिया है.

अंतिम में वलूश्का डे सूसा के आइटम नंबर ने मचाया धमाल

सलमान खान और आयुष शर्मा-स्टारर अंतिम में अभिनेत्री वलूश्का डे सूसा का आइटम नंबर चिंगारी रिलीज हो गया है। इस गाने में पारंपरिक मराठी नृत्य लावणी पेश किया गया है। फेस्टिव डांस नंबर विघ्नहर्ता, भाई का बर्थडे और एक रोमांटिक ट्रैक होने लगा को रिलीज करने के बाद, निमार्ताओं ने एक नए गाने चिंगारी को रिलीज किया है। चिंगारी की एक आधुनिक ताल है, लेकिन इसकी जड़ें पारंपरिक नृत्य लावणी से जुड़ी हैं। पारंपरिक मराठी अवतार में वलूचा डांस नंबर का मुख्य आकर्षण है।

वैभव जोशी द्वारा लिखित और सुनिधि चौहान द्वारा गाया गया, चिंगारी को कृति महेश द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है और हितेश मोदक द्वारा संगीतबद्ध किया गया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा 26 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

आलू कोफ्ता करी

आलू से ऐसी कितनी ही रेसिपीज़ तैयार की जा सकती हैं जिसे लोग चाव से खाएंगे। तो आज बनाएंगे आलू कोफ्ता करी, जान लें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

मटर के उबले दाने - 50 ग्राम, उबले और मसले हुए आलू - 5, नमक, लाल मिर्च पाउडर - स्वादानुसार, नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच, हरा धनिया, तेल तलने के लिए, जीरा - 1 छोटा चम्मच, चाट मसाला - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कटा बारीक हुआ, टमैटो सॉस - 2 बड़े चम्मच, बेसन - 1 बड़ा चम्मच, मक्खन - 2 बड़े चम्मच, शिमला मिर्च - 1/2 बारीक कटी हुई, पनीर के टुकड़े - 2 बड़े चम्मच।

विधि :

कड़ाही या नॉन स्टिक पैन में तेल गर्म करें।

जीरे से तड़का लगाएं।

आलू, थोड़ी-सी मटर डालकर अच्छी तरह पका लें।

फिर सारे मसाले, बेसन डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। मसाले को ठंडा कर लें।

अब इस मिश्रण से कबाब बना लें।

तवे पर मक्खन डालकर कबाब सुनहरा होने तक सेक लें।

ग्रेवी बनाने के लिए

कड़ाही में तेल गर्म करके जीरा तड़काएं।

कटे हुए आलू, मटर डालकर सुनहरा होने तक पकाएं

सारे मसाले, कटे टमाटर, शिमला मिर्च, पनीर, टमाटर सॉस डालकर कुछ समय तक और पका लें।

शब्द सामर्थ्य- 258

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

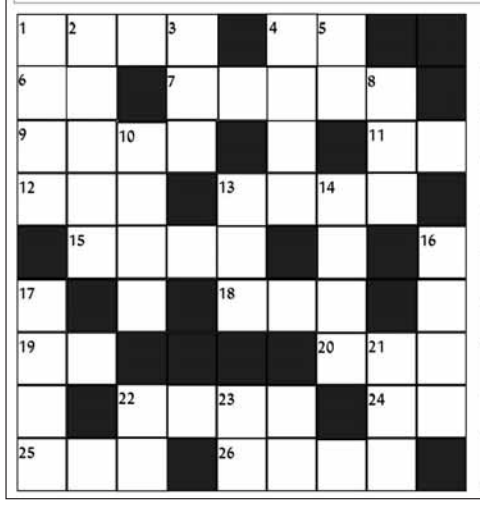

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 257 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 258

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.257 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6